परिशिष्ट क

ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान

पाठ्यक्रम

1. औचित्य

आज हम ऐसे सूचना समाज में रह रहे हैं जहाँ सूचना आधारित व्यवसायों की बाढ़ सी आ गई हैं, क्योंकि ऐसे सूचना समाज के लिए इस प्रकार के कार्यबल की मांग होती है जो उत्पादकता और सर्जनात्मकता में संवृद्धि के लिए सूचना तकनीक को एक उपकरण की तरह प्रयुक्त कर सके। इस कार्य में सूचना के विश्वसनीय स्त्रोतों की पहचान करना, उन स्त्रोतों तक अभिगम, अपेक्षित सूचना का चुनाव करना, संश्लेषण और इस सूचना को प्रभावशाली रूप में संप्रेषित करना शामिल हैं। इस प्रकार की सूचना को खोजना, इसका स्थान निर्धारित करना और उसका प्रयोग केवल तभी संभव है जब किसी व्यक्ति में सूचना तक अभिगम के उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करने की योग्यता हो। ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान (ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान) किसी व्यक्ति को सूचना के स्त्रोतों और उनके प्रभावी अभिगम के संबंध में शिक्षित करता है। ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान की शिक्षा, किसी व्यक्ति को एक स्वतन्त्र शिक्षार्थी (लर्नर) बनने के लिए अनिवार्य कौशलों की जानकारी देती हैं।

ग्रंथालयों के महत्व पर बल देते हुए, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा, 2005 (The National Curriculum Framework (NCF, 2005) में, उल्लेख किया गया है कि ''यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि भावी योजनाओं में, विद्यालय के सभी स्तरों पर ग्रंथालय को एक अनिवार्य घटक माना जाए। शिक्षकों और बालकों, दोनों को यह प्रेरणा और प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है कि सीखने, आनंद प्राप्त करने और ध्यान केन्द्रित करने के लिए ग्रंथालय को एक स्त्रोत के रूप में किस प्रकार प्रयोग किया जाये। उपर्युक्त कथन को ध्यान में रखते हुए, यह उचित समय है कि हम उच्चतर माध्यमिक स्तर पर ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान के पाठ्यक्रम के रूप में शुरू करें जिससे लंबे समय से चली आ रही शिक्षार्थियों की यह मांग भी पूरी होगी कि उनमें सूचना की पहचान, इसका स्थान निर्धारण और उसके मूल्यांकन का कौशल विकसित हो सके और वे अपेक्षित सूचना का दक्षतापूर्वक उपयोग कर सकें।

यह पाठ्यक्रम उन व्यक्तियों को ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान की आधारभूत शिक्षा प्रदान करेगा जो भविष्य में इस विषय पर उच्चतर अध्ययन करने के इच्छुक हैं।

2. उद्देश्य

इस कोर्स के मूल उद्देश्य हैं:-

- सूचना के भंडारण, खोज और पुन: प्राप्ति प्रणाली का बुनियादी प्रशिक्षण देना;
- शिक्षार्थियों में सूचना से संबंधित कौशल विकसित करना जिससे उन्हें आगे शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिलेगी; और
- शिक्षार्थियों में ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान विषय में रूचि उत्पन्न करना, जिससे उन्हें इस विषय को जीविका के रूप में अपनाने में सहायता मिले;

- उपर्युक्त मूल उद्देश्यों में सफलता प्राप्त करने के लिए, ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान के पाठ्यक्रम में निम्नलिखित प्रशिक्षण उद्देश्य शामिल होंगे:-
- शिक्षार्थियों को ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना;
- शिक्षार्थियों में विविध सूचना स्रोतों और उनके उपयोग के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना;
- शिक्षार्थियों को सूचना स्रोतों के संगठनों से परिचित करवाना;
- शिक्षार्थियों में ग्रंथालय के उपयोग के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना, तथा अपनी दिन-प्रति-दिन की समस्याओं के समाधान और अध्ययन में प्रतिपूरक सहायता हेतु ग्रंथालय एवं सूचना सेवाओं का उपयोग कर सकें।
- शिक्षार्थियों को इस योग्य बनाना कि वे सूचना की विशेषताओं को पहचान सकें;
- शिक्षार्थियों में सूचना के नैतिकतापूर्ण उपयोग की समझ पैदा करना।
- शिक्षार्थियों को, ग्रन्थालय एवं सूचना विज्ञान में विविध सूचना संप्रेषण तकनीकों (आई सी टी) के उपकरण और उसकी तकनीक से परिचित कराना; और
- शिक्षार्थियों को जीवन-पर्यन्त शिक्षार्थी बने रहने के योग्य बनाना।

3. पाठ्यक्रम की संरचना

संपूर्ण पाठ्यक्रम को तीन भागों में बांटा गया है:

3.1 केंद्रिक (कोर) मॉड्यूल्स

3.2 वैकल्पिक मॉड्यूल्स

3.3 प्रायोगिक

3.1 केंद्रिक मॉड्यूल्स

केंद्रिक मॉड्यूल्स में चार मॉड्यूल शामिल हैं जो ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान के विविध क्षेत्रों की संपूर्ण जानकारी देंगे। सभी शिक्षार्थियों के लिए सभी चार केंद्रिक मॉड्यूल्स का अध्ययन अनिवार्य होगा।

मॉड्यूल 1. ग्रंथालय, सूचना और समाज

मॉड्यूल 2. सूचना स्रोत

मॉड्यूल 3. सूचना स्रोतों की व्यवस्था

मॉड्यूल 4. ग्रंथालय और सूचना सेवाएँ

3.2 वैकल्पिक मॉड्यूल

द्वितीय भाग जिसमें दो मॉड्यूल शामिल हैं:

मॉड्यूल 5 (क) ग्रंथालयों का प्रबंधन

मॉड्यूल 5 (ख) सूचना पुनः प्राप्ति प्रणाली

शिक्षार्थियों को दो वैकल्पिक मॉड्यूल्स में से किसी एक के अध्ययन की छूट है। ये मॉड्यूल शिक्षार्थियों के लिए उपयोगी हैं और रोजगार के लिए संभावित क्षेत्रों की दृष्टि से उनका मार्ग-दर्शन कर सकते हैं।

4. पाठ्यक्रम का विवरण : केन्द्रिक मॉड्यूल

4.1 ग्रंथालय, सूचना और समाज

दृष्टिकोण: इस मॉड्यूल में विविध प्रकार के ग्रंथालय और सूचना केन्द्र शामिल हैं। यह हमारे समक्ष एक विहंगमदृश्य प्रस्तुत करता है कि प्रयोगकर्त्ता समुदाय के अध्ययन, शोध और विकास, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास के लिए, सूचना प्राप्त करने, उसे व्यवस्थित करने और प्रसारित करने में ग्रंथालय किस प्रकार सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

उद्देश्य : इस मॉड्यूल का उद्देश्य शिक्षार्थियों में यह समझ पैदा करना है कि ग्रंथालय और सूचना केन्द्रों की अवधारणा, प्रकार और कार्य क्या हैं और समाज में इनकी भूमिका क्या है।

इस मॉड्यूल को आगे इन खंडों में विभाजित किया गया है:

इकाई 1: ग्रन्थालय एवं सूचना केन्द्र: अवधारणा और समाज में भूमिका

इकाई 2: ग्रन्थालयों और सूचना केंद्रों के प्रकार

इकाई 3: आधुनिक ग्रंथालय : स्वचालित, डिजिटल और वर्चुअल

इकाई 4: ग्रंथालय विज्ञान के पांच सूत्र

4.2 : सूचना स्त्रोत

दृष्टिकोण : ग्रंथालय विश्व की शिक्षा प्रणाली का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। युगों-युगों के कालक्रम के साथ पुस्तकों, फिल्मों, श्रव्य-दृश्य माध्यमों इत्यादि के जरिए जिस ज्ञान को संग्रहित किया गया है, ग्रंथालय उन ज्ञान स्रोत को सुलभ बनाते हैं। जीवन के हर क्षेत्र से आने वाले लोग, अपने कार्य के लिए ग्रंथालय स्त्रोतों का उपयोग करते हैं।

उद्देश्य : ग्रंथालय में उपलब्ध सूचना स्त्रोतों के विभिन्न प्रकारों, प्रारूपों और उनके उपयोग से शिक्षार्थियों को परिचित कराना।

इस मॉड्यूल को आगे इस प्रकार विभाजित किया गया है:

इकाई-1 : सूचना स्रोतों का विहंगावलोकन

इकाई-2 : सूचना स्रोतों के प्रकार

इकाई-3 : संदर्भ स्त्रोत

इकाई-4 : इलेक्ट्रॉनिक संसाधन

4.3 सूचना स्त्रोतों का व्यवस्थापन

दृष्टिकोण: यह मॉड्यूल उपयोग के लिए, ग्रंथालय की सामग्री को बुनियादी रूप में तैयार करने और व्यवस्थित करने से परिचित कराता है।

उद्देश्यः ग्रंथालय की सामग्री के उपयोग के लिए इसे व्यवस्थित करने और इसके अनुरक्षण की विधियों से शिक्षार्थियों को परिचित कराना।

इस मॉड्यूल को आगे इस प्रकार विभाजित किया गया हैं:

इकाई-1 : ग्रंथालय सामग्री का व्यवस्थापन : अवधारणा, आवश्यकता तथा उद्देश्य

इकाई-2 : ग्रंथालय सामग्री का प्रक्रियाकरणः वर्गीकरण एवं प्रसूचीकरण

इकाई-3 : ग्रंथालय सामग्री का व्यवस्थापन और रखरखाव

4.4 ग्रंथालय और सूचना सेवाएं

दृष्टिकोण - आधुनिक ग्रंथालय को एक सेवा संस्था माना जाता है। यह सूचना को न केवल अधिग्रहित, व्यवस्थित, भंडारित और सूचना को उपयोग के लिए प्रसारित (डिस्सेमिनेट) करते हैं, बल्कि सक्रियता से इसके उपयोग को प्रोन्नत भी करते हैं।

उद्देश्य : शिक्षार्थियों को विभिन्न प्रकार की ग्रंथालय सेवाओं से परिचित कराना।

इस मॉड्यूल को आगे इस प्रकार विभाजित किया गया हैं:

इकाई-1 : पाठकों के लिए ग्रंथालय एवं सूचना सेवाएं

इकाई-2 : पारंपरिक ग्रंथालय सेवाएं : प्रत्युत्तरात्मक और पूर्वानुमानित

इकाई-3 : आधुनिक ग्रंथालय सेवाएं

5. पाठ्यक्रम का विवरण : वैकल्पिक मॉड्यूल

5 (क) : ग्रंथालयों का प्रबंधन

दृष्टिकोण : इस मॉड्यूल का उद्देश्य है ग्रंथालय के प्रशासन और प्रबंधन से संबंधित गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध करवाना। इसमें ग्रंथालय की सामग्री, ग्रंथालय कर्मियों और ग्रंथालय के उपयोग को प्रोन्नत करना शामिल है।

उद्देश्य : शिक्षार्थियों को ग्रंथालय और सूचना केन्द्रों के प्रबंधन के दिन-प्रति दिन के कार्य संचालन से परिचित करवाना।

इस मॉड्यूल को आगे इस प्रकार विभाजित किया गया है।

इकाई-1 : ग्रंथालय प्रणाली तथा प्रबन्धन

इकाई-2 : ग्रंथालय कर्मी

इकाई-3 : ग्रंथालय उपयोक्ता

इकाई-4 : ग्रंथालयित्व एक व्यवसाय के रूप में

5 (ख) : सूचना पुनः प्राप्ति प्रणाली

दृष्टिकोण : इस मॉड्यूल का उद्देश्य है शिक्षार्थियों में ज्ञान और अपेक्षित कौशल पैदा करना जिससे वे विश्व में मुद्रित के साथ-साथ डिजिटल मीडिया में निहित और फैली सूचनाओं की पुनः प्राप्ति कर सकें।

उद्देश्य : मुद्रित और अमुद्रित स्त्रोतों में से वांछित सूचना तक अभिगम, उसे खोजने और पुनः प्राप्त करने के कौशल सिखाना।

इस मॉड्यूल को आगे इस प्रकार विभाजित किया गया है:

इकाई-1 : सूचना पुनः प्राप्ति प्रणाली अवधारणा एवं क्षेत्र

इकाई-2 : सूचना पुनः प्राप्ति साधनः प्रसूचियाँ, अनुक्रमणियां, विषय शीर्षक सूचियाँ

इकाई-3 : खोज की तकनीकियां : मूल और उन्नत

इकाई-4 : सूचना तकनीक : वेब आधारित खोज

6. अंकों का वितरण

6.1 केन्द्रिक मॉड्यूल

मॉड्यूल का नाम	इकाई का नाम	अध्ययन के घंटे	आबंटित अंक
मॉड्यूल 1	ग्रंथालय, सूचना एवं समाज	36	12
मॉड्यूल 2	सूचना स्त्रोत	48	14
मॉड्यूल 3	सूचना स्त्रोतों की व्यवस्था	36	12
मॉड्यूल 4	ग्रंथालय और सूचना सेवाएँ	36	12

6.2 वैकल्पिक मॉड्यूल

मॉड्यूल का नाम	इकाई का नाम	अध्ययन के घंटे	आबंटित अंक
मॉड्यूल 5 (A)	ग्रंथालयों का प्रबंधन	36	10
मॉड्यूल 5 (B)	सूचना पुनः प्राप्ति प्रणाली	36	10

6.3 प्रायोगिक

मॉड्यूल का नाम	इकाई का नाम	अध्ययन के घंटे	आबंटित अंक
सभी प्रायोगिक कार्य		48	20

6.4 शिक्षक द्वारा जांच किए गये नियत कार्य (एसाइनमेंट) (TMA)

7. मूल्यांकन योजना

7.1 परीक्षा का नमूना (पैटर्न)

परीक्षा	प्रश्न पत्र	अंक	अवधि
(क) सिद्धांत	1	60	3 घंटे
(ख) प्रायोगिक	1	20	3 घंटे
(ग) टी एम ए		20	

7.2 प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन

केन्द्रिक मॉड्यूलों से दो क्रियाकलाप	8 अंक
वैकल्पिक मॉड्यूलों से एक क्रियाकलाप	4 अंक
कार्यकलाप फाइल	4 अंक
मौखिक परीक्षा (viva-voice)	4 अंक